Prepp
Your Personal Exams Guide

2021

HINDI LITERATURE

हिन्दी साहित्य

Time : 3 hours] [Maximum Marks : 200

समय : 3 घंटे] [अधिकतम अंक : 200

Instructions **(निर्देश) :**

(i) This paper is divided into *two* Sections, Section—A and Section—B.

ये प्रश्नपत्र दो खंडों में विभाजित है, खंड—A और खंड—B ।

(ii) Each Section contains **eight** questions.

प्रत्येक खंड में आठ प्रश्न हैं।

(iii) A candidate has to attempt **twelve** questions.

एक परीक्षार्थी को **बारह** प्रश्न का उत्तर लिखना है।

(iv) Question Nos. **1** and **9** are compulsory and out of the remaining, *any* **ten** are to be attempted choosing **five** from each Section.

प्रश्न संख्या 1 और 9 अनिवार्य हैं और शेष प्रश्नों में से किन्हीं **दस** का उत्तर लिखना है, प्रत्येक खंड से **पाँच–पाँच** प्रश्नों को हल करना है।

(v) Question Nos. **1** and **9** consist of *five* parts each. Each part will be of **6** marks. Word limit will be *150* (in relevant subjects only).

• प्रश्न संख्या 1 और 9 के पाँच–पाँच भाग हैं। प्रत्येक भाग के लिए **6** अंक निर्धारित हैं। शब्द संख्या *150* तक सीमित है (मात्र सम्बद्ध विषयों में)।

(vi) Remaining questions will be of **14** marks each.

शेष प्रश्न **14** अंकों के प्रति प्रश्न होंगे।

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION—A

खंड—A

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6×5=30

(क) अपभ्रंश और प्रारंभिक हिन्दी के अंत:संबंध पर प्रकाश डालिए।

(ख) पश्चिमी हिन्दी और पूर्वी हिन्दी का ध्वनिगत वैषम्य स्पष्ट कीजिए।

(ग) हिन्दी के विकास की दृष्टि से पारिभाषिक शब्दावली के महत्त्व पर विचार कीजिए।

(घ) शुक्लजी के इतिहास से पहले हिन्दी के साहित्येतिहास की परंपरा पर प्रकाश डालिए।

(ङ) ''रीतिमुक्त काव्य छायावादी कविता की पूर्वपीठिका है''— इस कथन की समीक्षा कीजिए।

2. साहित्य की भाषा के रूप में ब्रज भाषा से खड़ी बोली के संक्रमण की स्थितियों पर विचार कीजिए। 14

3. देवनागरी लिपि के मानकीकरण के प्रयासों का उल्लेख कीजिए। 14

4. "हिन्दी साहित्य का आदिकाल वस्तुत: बिना नामकरण का कालखंड है"— इस कथन की समीक्षा करते हुए आदिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए। 14

5. "संत काव्य में हिन्दी साहित्य की आधुनिकता के बीज-तत्त्व निहित हैं"— क्या आप इस कथन से सहमत हैं? सतर्क उत्तर दीजिए। 14

6. ''भारतेन्दु-युग आधुनिकता और मध्यकालीनता के संधि-स्थल पर स्थित है''— इस कथन की समीक्षा कीजिए। 14

7. हिन्दी आलोचना-साहित्य के इतिहास का परिचय दीजिए। 14

8. नई कविता के उद्भव की परिस्थितियों पर टिप्पणी करते हुए उसकी प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए। 14

Prepp
Your Personal Exams Guide

SECTION—B

खंड—B

9. संदर्भ सहित संक्षिप्त व्याख्या कीजिए : 6×5=30

(क) सचिव बैद गुरु तीनि जौ प्रिय बोलहिं भय आस ।
राज धर्म तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास ।।

(ख) संसार में कविता अनेकों क्रान्तियाँ है कर चुकी,
मुरझे मनों में वेग की विद्युत्प्रभाएँ भर चुकी ।
है अंध-सा अंतर्जगत् कवि-रूप सविता के बिना,
सद्भाव जीवित रह नहीं सकते सु-कविता के बिना ।।

(ग) पर उस स्पन्दित सन्नाटे में
मौन प्रियंवद साध रहा था वीणा–
नहीं, स्वयं अपने को शोध रहा था ।
सघन निविड में वह अपने को
सौंप रहा था उसी किरीटी तरु को ।

(घ) हा! भारतवर्ष को ऐसी मोहनिद्रा ने घेरा है कि अब इसके उठने की आशा नहीं । सच है कि जो जान बूझ कर सोता है उसे कौन जगा सकेगा । हा दैव! तेरे विचित्र चरित्र हैं । जो कल राज करता था वह आज जूते में टांका उधार लगवाता है । कल जो हाथी पर सवार थे आज नंगे पांव वन-वन की धूल उड़ाते फिरते हैं ।

(ङ) पियारे भाइयो! कोठारिन साहेब जितना बात बोली, सब ठीक है । लेकिन सबसे बड़ा दोखी हम हैं । हमारे कारन ही गाँव में लड़ाई-झगड़ा हो रहा है । हम तो सबों का सेवक हैं । हम कोई बिदमान नहीं हैं, सास्तर-पुरान नहीं पढ़े हैं । गरीब आदमी हैं, मूरख हैं । मगर महतमाजी के परताप से, भारथमाता के परताप से, मन में सेवा-भाव जन्म हुआ और हम सेवक का बाना ले लिया ।

10. भक्ति को आंदोलन का रूप देने में गुरु की अवधारणा की केंद्रीय भूमिका रही है । इस मंतव्य के आलोक में कबीर द्वारा वर्णित गुरु-महिमा के विभिन्न पहलुओं को सोदाहरण समझाइए। 14

11. "'भ्रमरगीत' नीरस ज्ञान-चर्चा के समक्ष सरस प्रेम की सार्थकता प्रतिपादित करता है।" इस कथन के परिप्रेक्ष्य में सूरदास की जीवन-दृष्टि की समीक्षा कीजिए । 14

12. "कवि को विविध शास्त्रों का ज्ञान होना चाहिए।" इस कथन के आलोक में बिहारी की बहुज्ञता पर एक निबंध लिखिए। 14

13. श्रद्धा-सर्ग के आधार पर प्रसाद की सौंदर्य-चेतना में निहित मौलिकता का निरूपण कीजिए। 14

14. "यात्रा के लिए निकलती रही है बुद्धि पर हृदय को भी साथ लेकर।" पठित निबंधों के आधार पर आचार्य रामचंद्र शुक्ल की निबंध-कला पर विचार कीजिए। 14

15. होरी की नियति का संज्ञान लेते हुए 'गोदान' में व्यक्त किसान-जीवन की त्रासदी पर प्रकाश डालिए। 14

16. एक दलित की हत्या के इर्द-गिर्द बुना गया मन्नू भंडारी कृत 'महाभोज' उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता पर अपना मंतव्य प्रस्तुत कीजिए। 14

★★★

Prepp
Your Personal Exams Guide